जी राम जी योजना से मिलेगा रोजगार : सीईओ

ग्राम पंचायत सेमरी में ग्रामीणजनों के लिए आयोजित हुई विशेष ग्रामसभा

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 26 दिसम्बर। विकसित भारत- रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम'' 2025 (वीबी-जीरामजी) के अन्तर्गत मानक वित्तपोषण और उद्देश्यात्मक मानदंडों को सुनिश्चित किया गया है जिससे हर पात्र श्रमिक को रोजगार या बेरोजगारी भत्ता सुनिश्चित होगा, इस अधिनियम से परिसंपत्ति सृजन, आजीविका विविधीकरण, जलवायु अनुकूलन व रोजगार वृद्धि से विकास को गति मिलेगी, जिससे गांवों में सतत समृद्धि सुनिश्चित हो सकेगी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के लिए डिजिटलाइजेशन एवं टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा, रोलगार की गारंटी अब 100 दिनों से बढ़कर 125 दिन की गई है। इस महती योजना के बारे में जानकारी प्रदान की जनपद पंचायत पिछोर के सीईओ एन.एस.नरवरिया ने जो ग्राम पंचायत सेमरी में आयोजित विशेष ग्रामसभा के माध्यम से ग्रामीणों को योजना के संदर्भ में जानकरी प्रदान कर रहे थे। यहां विकसित भारत- जीरामजी अधिनियम 2025 के महत्वपूर्ण प्रावधानों एवं प्रदत्त कानूनी अधिकारों के संबंध में व्यापक जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत सेमरी सहित समूचे जिले की ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जनपद पंचायत पिछोर की ग्राम पंचायत सेमरी में शुक्रवार को जिला पंचायत शिवपुरी के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एन.एस. नरवरिया के मुख्य आतिथ्य में विशेष ग्राम सभा का किया गया जिसमें उपस्थित ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी दी गई।

जिला पंचायत शिवपुरी के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एन.एस. नरवरिया ने बताया कि ''विकसित भारत- रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम'' 2025 (वीबी-जीरामजी) के अन्तर्गत मानक वित्तपोषण और उद्देश्यात्मक मानदंडों को सुनिश्चित किया गया है जिससे हर पात्र श्रमिक को रोजगार या बेरोजगारी भत्ता सुनिश्चित होगा। इस अधिनियम से परिसंपत्ति सृजन, आजीविका विविधीकरण, जलवायु अनुकूलन व रोजगार वृद्धि से विकास को गति मिलेगी, जिससे गांवों में सतत समृद्धि सुनिश्चित हो सकेगी। पारदर्शिता एवं जवाबदेही के लिए डिजिटलाइजेशन एवं टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा। रोजगार की गारंटी अब 100 दिनों से बढ़कर 125 दिन की गई है। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत द्वारा विकसित भारत- जीरामजी अधिनियम- 2025 के महत्वपूर्ण प्रावधानों एवं प्रदत्त कानूनी अधिकारों के संबंध में व्यापक जन जागरुकता लाने के उद्देश्य से होडिंग लगाए गए। ग्रामीण महिलाओं ने तख्ती एवं बैनर लेकर प्रचार-प्रसार किया। जॉब कार्ड ई-केवाईसी हेतु शेष रहे व्यक्तियों की सूची का वाचन ग्राम सभा में किया गया, मृत, स्थाई पलायन की सूची तैयार कर जॉब कार्ड से नाम विलोपित करने हेतु अनुमोदन प्राप्त किया।

संबल योजनांतर्गत तीन हितग्राहियों के आवेदनों पर ग्राम सभा से अनुमोदन प्राप्त कर स्वीकृति हेतु वरिष्ठ कार्यालय को भेजे गए। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती ममता अहिरवार, सचिव अजब सिंह लोधी, ग्राम सभा के नोडल अधिकारी, पीसीओ माथुर, शिक्षक एवं समस्त आंगनवाड़ी कार्य कर्ताओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव 2025 : सुभद्रांगी सिंह ने जीता स्वर्ण पदक

कलेक्टर-एसपी सहित जिला खेल अधिकारी ने बढ़ाया बालिका का हौंसला, किया उत्साहवर्धन

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 26 दिसम्बर। बचपन से ही बच्चों के शरीरिक और बौद्धिक विकास को लेकर शिक्षिकीय संवर्ग में कार्यरत शिक्षक डॉ.प्रदीप सिंह सिकरवार के द्वारा अपनी होनहार बेटी सुभद्रांगी सिंह(चकोर) को लेकर नियमित रूप से अपनी निगरानी में तैयारी कराई जाती है और इसी तैयारी का परिणाम है इस मासूम बालिका की प्रतिभा से स्वयं जिला कलेक्टर रविन्द्र चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ एवं जिला खेल अधिकारी डॉ.के.के.खरे भी प्रभावित हुए और उन्होंने सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित प्रतियोगिता में चकोर के द्वारा स्वर्ण पदक हासिल करने पर इस बालिका की प्रतिभा को सराहा और सभी अधिकारीगणों ने चकोर का उत्साहवर्धन किया।

यहां बताना होगा कि श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर में गत दिवस सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें एथलेटिक्स में होनहार बेटी सुभद्रांगी सिंह(चकोर) भी शामिल हुई और इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस अवसर पर मौजूद विधायक देवेन्द्र जैन, कलेक्टर रविन्द्र चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ व जिला खेल अधिकारी डॉ.के.के.खरे ने बालिका को शाबाशी दी और कहा ऐसे ही मेहनत करो और अपने अंचल, प्रदेश व देश का नाम रोशन करो। बता दें कि जिला खेल अधिकारी डॉ.के.के.खरे के निर्देशन में आयोजित श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर शिवपुरी में सांसद खेल महोत्सव जिला स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विकासखंडों से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बालक, बालिका आए थे। इसमें 4×100 मीटर रिले टीम में ब्लॉक में विजेता सुभद्रांगी सिंह (चकोर) ने सांसद खेल महोत्सव में जिला स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। मुख्य अतिथि देवेंद्र जैन विधायक, कलेक्टर रविन्द्र चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड, जिला खेल अधिकारी डॉ.के.के.खरे ने गोल्ड एवं नगद राशि पुरस्कार से सम्मानित किया, साथ में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, के.पी.परमार, कपिल भार्गव, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव, डी.पी.सी.दफेदार सिंह सिकरवार आदि मौजूद रहे।

सामाजिक पहचान रहे है पत्रकार स्व . जयकिशन शर्मा : कलेक्टर

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 26 दिसम्बर। समर्पित पत्रकारिता और सामाजिक पहचान के रूप में जो मैंने वरिष्ठ पत्रकार स्व. जयकिशन शर्मा के बारे में सुना है निश्चित रूप से वह उनकी पहचान है और इस पहचान को उनके पुत्र लालू शर्मा के द्वारा लगातार तीसरी वर्ष अपने पिता की स्मृति में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के माध्यम से संजो रहे है यह प्रेरणा है उन बच्चों के लिए जो अपने माता-पिता को किसी ना किसी रूप में देखना चाहते है, खेल हमें अनुशासन सिखाते है और यह अनुशासन की सीढ़ी हमें सफलता की ओर ले जाती है इसलिए जीवन में इन नियम संयमों का पालन जरूर करें। वरिष्ठ पत्रकार स्व.जय किशन शर्मा की इन स्मृतियों को संजोया कलेक्टर रविन्द्र चौधरी ने जो स्थानीय पोलोग्राउण्ड मैदान में आयोजित स्व. जयकिशन शर्मा स्मृति क्रिकेट टर्नामेंट को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे। इस दौरान शिवपुरी का नाम पूरे प्रदेश में रोशन कर दिव्यांगजन आयुक्त के रूप में कार्यरत वरिष्ठ स्तंभकार अजय खेमरिया ने अपने संबोधन में कहाकि अच्छे पिता की संतान है लालू जो अपने पिता की स्मृतियों को क्रिकेट टूर्नामेंट के माध्यम से लगातार संजोए हुए है और एक अच्छे पुत्र की पहचान को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर सर्वाईकल रोग के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ.भरत अग्रवाल (नारियल वाले), सेवानिवृत्त सीएमओ रामनिवास शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष रघुवीर रावत, जानकी सेना संगठन के राष्ट्रीय महासचिव नरेशप्रताप ड्क्षसह बॉबी राजा, ग्राम पंचायत भटनावर सरपंच संजय अवस्थी, कोलारस नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र शिवहरे, आबकारी विभाग के निरीक्षक डॉ.तीर्थराज भारद्वाज, वरिष्ठ पत्रकार बृजेश सिंह तोमर, सत्यम पाठक, रंजीत गुप्ता प्रतियोगिता के संयोजक व आयोजक लालू शर्मा एवं पत्रकार राजकुमार शर्मा, मणिकांत शर्मा, रजू ग्वाल, केपी परिहार, दुर्गेश गुप्ता उपस्थित रहे। टूर्नामेंट में एम्पायर नरेन्द्र मुदगल, दीपक सोनी, सुजीत करौशिया, स्कॉरर अक्स कमल मांझी, अमन मुदगल, कार्यक्रम का सफल संचालन व मैच का आंखों देखा हाल खेल विभाग के यूथ कॉर्डिनेटर कमल सिंह बाथम के द्वारा किया गया। इस दौरान सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। टूर्नामेंट का पहला मुकबाला हनुमान क्रिकेट क्लब और कोलारस के बीच खेला गया। जिसमें हनुमान क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 170 रन बनाए जिसमें मानवेन्द्र यादव 48, जाकिर 37 और राज के 23 रनों की बदौलत 171 रनों का लक्ष्य रखा। कोलारस की ओर से विवेक ने तीन सफलताऐं प्राप्त की। 171 रनों का पीछा करने उतरी कोलारस की टीम मात्र 116 रनों सिमट गई और यह मुकाबला हनुमान क्रिकेट क्लब 56 रनों से जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दूसरा मुकाबला कॉगरेट क्रिकेट क्लब और स्टार इण्डिया के बीच खेला गया। जिसमें कॉगरेट ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 112 रन बनाऐं। जिसमें सर्वाधिक मयंक राठौर 37 रनों का योगदान दिया वहीं मयंक मिश्रा ने 27 रनों की पारी खेली। स्टार इण्डिया की ओर से गेंदबाजी करते हुए विक्रम और रौनी ने दो-दो विकेट प्राप्त किए। 113 रनों का पीछा करने उतरी स्टार इण्डिया की टीम की शुरूआत खराब रही और पहले ही ऑवर में दो विकेट खो चुकी। उसके बाद मात्र रोनी ने 18 और अमजद ने 20 रनों की पारी खेली और पूरी टीम 95 रन ही बना सकी और यह मुकाबला कागरेट क्रिकेट क्लब ने 17 रनों से जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

चार साहबजादों के बलिदान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 26 दिसम्बर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिवपुरी नगर द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय के परिसर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें गुरुद्वारा समिति के सरदार सुरिंदर सिंह अरोड़ा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक जितेंद्र गोस्वामी की विशेष उपस्थिति रही। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्यापक मौजूद थे।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गुरुद्वारा समिति के सरदार सुरिंदर सिंह अरोड़ा ने गुरु साहब के साहबजादों के जीवन यात्रा उनके साहस बलिदान पर प्रकाश डाला, जिला प्रचारक जितेंद्र गोस्वामी ने विद्यार्थियों से साहबजादों की तरह साहसी और निडर बनने की बात की, उन्होंने कहा कि आक्रांताओं के आगे भारतीय समाज के लिए बलिदान हो जाना साहबजादों ने चुना वो झुके नहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि साहबजादों की जीवनी विद्यार्थियों को अपने जीवन में उतारनी चाहिए, अन्याय अत्याचार के विरुद्ध डटकर जूझना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अभाविप नगर मंत्री ऋषभ रघुवंशी ने किया। कार्यक्रम में एबीवीपी जिला प्रमुख दीप ओझा, जिला संयोजक विक्रम गुर्जर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वीर बाल दिवस चार साहबजादों के बलिदान दिवस पर विद्यार्थियों ने बलिदानी को याद किया

भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल ने किया महाराज खेत सिंह खंगार जयंती चल समारोह का स्वागत

शिवपुरी। सामाजिक रूप से एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाले पोहरी विधानसभा क्षेत्र में कार्यरत भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल के द्वारा पोहरी क्षेत्र में क्षत्रिय परिहार (खंगार) समाज के द्वारा अपने अग्रज महाराजा खेत सिंह खंगार जयंती के उपलक्ष्य में समाज के द्वारा निकाले गए चल समारोह का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाजजनों के इस आयोजन में विधानसभा क्षेत्र के नगर पोहरी में महाराजा खेत सिंह खंगार (परिहार) जयंती के शुभारंभ अवसर पर यहां मुख्य अतिथि के रूप में दिलीप मुद्गल जिला उपाध्यक्ष भाजपा शिवपुरी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ भी किया गया एवं श्री मुद्गल के द्वारा इसके पूर्व परिहार समाज के चल समारोह का फ्रूटी बांट कर सभी समाजजनों का स्वागत किया गया। इस दौरान परिहार समाज के द्वारा कार्यक्रम में समाज के चल समारोह का स्वागत करने एवं समाज के इस आयोजन में अतिथि के रूप में आमंत्रित भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुदगल का क्षत्रिय परिहार समाज की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

वैध लाइसेंस के बिना मदिरा पूर्णत : प्रतिबंधित

शिवपुरी। नववर्ष के उपलक्ष्य में शिवपुरी जिले में 31 दिसंबर 2025 को वर्ष की समाप्ति एवं 01 जनवरी 2026 को नव वर्ष के आगमन पर होटल, रेस्टोरेंट, घरों आदि स्थलों पर पार्टियों का आयोजन किया जाता है, जिनमें बिना लायसेंस लिये मदिरा परोसी/सेवन किया जाने की संभावना है। जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगेड़ेने जिले के समस्त नागरिकों एवं होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों के संचालको, आयोजकों को सूचित किया है कि 31 दिसंबर 2025 को अथवा अन्य किसी भी दिन यदि आपके निजी स्थल, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों आदि स्थलों पर पार्टी (मदिरा परोसी, सेवन किया) का आयोजन किया जाता है, तो संबंधित संस्थान कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला शिवपुरी में संपर्क कर विधिवत ऑनलाइन आवेदन से ऑकेशनल लाइसेंस अनिवार्यत: प्राप्त करें।

लाइसेंस प्राप्त किये बिना इस प्रकार की पार्टियों का संचालन, आयोजन की जानकारी प्राप्त होने पर आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति, संचालक, आयोजनकर्ता की होगी।

वीर बाल दिवस पर जोरावर सिंह और फतेह सिंह को श्रद्धा से किया याद

छात्राओं ने जाना अमर साहिबजादों के त्याग और बलिदान को

नवभारत न्यूज
बदरवास, 26 दिसम्बर। अमर वीर साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह के सम्मान में श्रद्धा, देशभक्ति से ओतप्रोत वीर बाल दिवस कार्यक्रम बदरवास के शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल में आयोजित किया गया जिसमें छात्राओं को इनके त्याग, वीरता, बलिदान की अमर गाथाओं से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरु गोविंदसिंह और उनके चारों साहिबजादों के चित्र पर शिक्षकों और छात्राओं ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। देशभक्ति प्रेरक गीत शिक्षिका शशि गुप्ता और प्रेरणा गीत बसंती मिंज ने प्रस्तुत किया। शिक्षक गोविन्द अवस्थी ने वीर बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु गोविंदसिंह जी के चारों वीर साहिबजादों अजीत सिंह,जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह के अदम्य साहस, धर्मनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान से भारत भूमि धन्य हो गई। उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। बाल वीर जोरावर सिंह और फतेह सिंह धर्म,सत्य और संस्कृति की रक्षा हेतु अपना बलिदान देकर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करते हुए अमरता को प्राप्त हो गए। दोनों ही बाल वीर अन्याय के आगे नहीं झुके और दृढ़ हौसले,वीरता,आदर्श और प्रेरणा की मिसाल बन गए। डॉ. ममता यादव ने कहा कि इन दोनों बाल वीरों का बलिदान आज की पीढ़ी के लिए साहस, आत्मसम्मान और राष्ट्रप्रेम का अमर संदेश है। आज हमें इनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। प्राचार्य चंद्रवीर सिंह सेंगर ने कहा कि ऐसे देशभक्तिपूर्ण आयोजन चारित्रिक निर्माण और राष्ट्रभक्ति जागृत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी इन बलिदानियों के बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करें। कार्यक्रम का जोशीला संचालन राजेश मिश्रा ने और आभार ममता श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर चंद्रभान श्रीवास्तव, विनीता कुशवाह, कपिल परिहार, उदयसिंह रावत, शैलेंद्र भदौरिया, कनक कुशवाह, महेंद्र कुशवाह, हरवीर यादव, निर्मला शर्मा, दलवीर सिंह, हितेंद्र कुशवाह, नीलेश रघुवंशी, दीपिका चतुर्वेदी, नावेद अली, बलराम परिहार सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। छात्राओं के जोशीले नारों और अमर बाल वीरों की जय से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा।

युवा संगम कार्यक्रम : 208 से अधिक युवाओं का चयन

शिवपुरी-सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विभाग एवं विकास एवं रोजगार विभाग व ग्रामीण विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा युवा संगम के तहत एक ही छत के नीचे युवाओ को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उदेश्य से हर माह निर्धारित दिवस को जिला स्तरीय रोजगार/स्वरोजगार के लिए युवा संगम कार्यक्रम आयोजन करने का निर्णय लिया गया है।

फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
बदरवास, 26 दिसम्बर। बदरवास थाना पुलिस ने एक नाबालिग बालिका के अपहरण और बलात्कार के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को गुना से दबोचकर माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

क्या है पूरा मामला?

बीती 30 जून 2025 को बदरवास थाने में एक नाबालिग बालिका के बिना बताए घर से कहीं चले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अपराध क्रमांक 307/25 धारा 137(2) ब्नहस् के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमनसिंह राठौड़ ने बालिका की बरामदगी के लिए कड़े निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले और एसडीओपी कोलारस संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मुखबिरों और साइबर सेल की तकनीकी मदद से कड़ी मशक्कत के बाद नाबालिग बालिका को मोरबी (गुजरात) से सुरक्षित दस्तयाब किया। बालिका के बयानों के आधार पर मामले में धारा 64, 65(1), 87 ब्नहस् और 3/4 पॉक्सो एक्ट की वृद्धि की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिनांक 25 दिसंबर 2025 को आरोपी वीरू वंशकार (22 वर्ष), निवासी ग्राम खैराई (थाना राघौगढ़, जिला गुना) को गुना से गिरफ्तार किया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने पहले भी इसी पीड़िता का अपहरण कर बलात्कार किया था, जिसके संबंध में थाना बदरवास में वर्ष 2023 में (अप.क्र. 196/23) गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उपनिरीक्षक रंगलाल मेर, प्रधान आरक्षक गजेंद्र परिहार और आरक्षक दीनू रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इन क्षेत्रों में आज विद्युत प्रवाह बंद रहेगा

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 26 दिसम्बर। आवश्यक रखरखाव का कार्य किए जाने के कारण 11 के.व्ही.मनियर एवं 11 के.व्ही.फतेहपुर फीडर पर 27 दिसंबर को विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

उक्त 11 के.व्ही.फीडर के बंद रहने से 27 दिसंबर को प्रात: 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक मनियर बीज गोदाम, दुबे नर्सरी, लालमाटी, मुदगल कॉलोनी, फतेहपुर आदि संबंधित क्षेत्र, शारदा कालोनी, जाटव मोहल्ला, परिहार मोहल्ला, 26 नं. कोठी के पास आदि संबंधित क्षेत्र में विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

पृष्ठ एक का शेष...

विवादों का महज ट्रायल न हो, उन्हें सुलझाएं भी

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि मीडिएशन को अब एक सफल, किफायती और विन-विन प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जा रहा है. इसमें कोई भी मध्यस्थ किसी पक्ष पर समाधान नहीं थोपता, बल्कि वही समाधान निकलता है, जिस पर दोनों पक्ष सहमत होते हैं. उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने मीडिएशन फॉर नेशन पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य न्याय के उपभोक्ताओं के साथ-साथ बार और बेंच को भी इस प्रक्रिया के प्रति संवेदनशील बनाना है. उन्होंने कहा कि मीडिएशन पुराने और नए दोनों मामलों में प्रभावी है और यह प्री-लिटिगेशन स्टेज से ही अपनाई जा सकती है. हाल के वर्षों में मीडिएशन की सफलता दर में 30 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है. सीजेआई ने कहा कि देश को 2.5 लाख से अधिक प्रशिक्षित मध्यस्थों की जरूरत है. उन्होंने बताया कि कमर्शियल विवाद, वैवाहिक मामले, मोटर एक्सीडेंट क्लेम और चेक बाउंस से जुड़े मामलों में मीडिएशन के बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं.

100 फीट ऊंची पहाड़ी पर बनी हैं बिजरावन की ऐतिहासिक गढ़ी,कालांतर में ब्रजवन से बन गया बिजरावन

जितेंद्र गोस्वामी
बदरवास, 26दिसम्बर। शिवपुरी जिले की कोलारस तहसील के अंतर्गत आने वाला एक छोटा सा गांव बिजरावन है जो जाना जाता है अपनी गढ़ी के कारण। जिसके अवशेष यहां आज भी करीब 100 फीट ऊंची पहाड़ी पर देखने को मिलते हैं यह क्षेत्र में बनी गढ़ीयों में सबसे पहले बनी गढ़ी में से एक है जिसके पास में एक भव्य तीन मंजिल बावड़ी भी बनी हुई है जो उस समय में जल व्यवस्था का महत्वपूर्ण साधन हुआ करती थी, इस गढ़ी को देखकर ऐसा लगता हैं कि इसे भव्य तरीके से बनाया गया है बिजरावन के दांगी परिवार के सदस्यों ने इस स्थान के बारे में बताया कि यह गढ़ी उनके पुरखों की थी जो 12 गांव बिजरावन, मडखेड़ा, भादरौन, पचावली, लगदा, कुंवरपुर, बसाई, चिरौला, पिपरोदा, कुंवरपुर, मुढ़ेरी, चिरौला आदि के जागीरदार थे, यह नरवर के कच्छपघात राजाओं के अधीन थे,हालांकि कुछ इतिहासकार मानते हैं कि शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, राजगढ़ और

इस क्षेत्र में बहुत से वन थे मधुवन (वर्तमान में महुअन अशोकनगर) तुम्ववन (वर्तमान में तूमैन अशोकनगर) आमवन (वर्तमान में आवन गुना) महावन (वर्तमान में मावन गुना) तपोवन (वर्तमान में थैबन अशोकनगर) ढ़ाकवन (वर्तमान में ढ़ाकोनी अशोकनगर) और इसी क्रम में शिवपुरी जिले का ब्रजवन बहुत प्रसिद्ध वन हुआ करते थे। जो समय के साथ बदलते - बदलते बिजरावन हो गया। बिजरावन से नौवीं शताब्दी की महिषासुरमर्दनी की मूर्ति की पूजा होती है वर्तमान नई मूर्ति भी स्थापित की गई है जिनको देखकर ऐसा लगता है कि यहां 1000 वर्ष पहले भी मंदिर थे, देवी के मंदिर अब उस स्थिति में यहां नहीं है लेकिन उसकी निशानियां देखी जा सकती हैं जो इतिहास को समझने में सहायता करती हैं और इस स्थान का ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व बढ़ाती है साथी यहां बनी एक भव्य बावड़ी है जो बेहद बेहद शानदार तरीके से निर्मित तीन मंजिला इमारत के साथ बनी अपने तरीके की अनोखी बावड़ी है उल्लेखनीय यह भी है कि वर्तमान में भी वहां दांगी परिवार रहता है जो कभी इस गढ़ी में रहा करता था, यह लोग अब खेती करते हैं जहां तक कालखंड की बात की जाए तो यह गढ़ी लगभग 500 से 1000 वर्ष पुरानी हो सकती है इसे बनाने के लिए काले पत्थर चूना के साथ ईटों का भी प्रयोग किया गया है जिसमें लगा पत्थर मदनपुर के पास करही नदी से लाया गया हैं। इतिहास का यह एक ऐसा पक्ष है जिस पर बेहद कम ध्यान दिया गया है वैसे भी इतिहासकार मौखिक इतिहास का महत्व बताते हुई कहते हैं कि स्थानीय इतिहास लिखित नहीं मौखिक अधिक ही होता हैं। वर्तमान में यह गढ़ी जर्जर हालत में हैं अगर जल्द ही इसका जीर्णुद्धार नहीं हुआ तो इसका अस्तित्व ही नहीं रहेगा।

आसपास के दांगी समाज का संबंध नरवर के राजा नेपाल सिंह दांगी से रहा है और यह सभी कच्छपघात (कुशवाहा राजपूत) वंश की ही एक शाखा थी लेकिन बिजरावन के दांगी नरवर के ही सामंत थे लेकिन बाद में दांगी (बिजरावन) और यादवों (अटलपुर) के रावसाहब का संघर्ष हुआ जिसमें यादवों ने इस गढ़ी को अपने कब्जे में तो किया लेकिन अधिक समय तक अपने अधिकार में ना रख सके, यह बाद में दांगीयों के पास वापस आ गई,लेकिन इस बार दांगियों के पास सिर्फ पांच गांव ही जागीर में शेष रह गए, हालांकि बाद में किरारों से भी इनका संघर्ष हुआ, लेकिन रघुवंशीयों से दांगियो को बराबर सहयोग मिलता रहा, दरअसल औरंगजेब के आक्रमण ने इस क्षेत्र में मजबूत शासक कच्छपघात वंश को बहुत अधिक कमजोर कर दिया जिस कारण से कच्छपघात (वर्तमान में कुशवाहा ठाकुर) वंश के शासन के बाद इस क्षेत्र में जबरदस्त राजनीतिक अस्थिरता बन गई।

और छोटे-छोटे राजाओं ने अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाना शुरू कर दिया इस क्षेत्र में बहुत से गढ़ और गढ़ी 15वीं शताब्दी से अस्तित्व में आना शुरू हो गए। इसी दौरान जब ग्वालियर पर मुगलों का अधिकार स्थापित हुआ तो इस क्षेत्र में एक बार फिर राजनीतिक अस्थिरता बढ़ गई, नए राजा रजवाड़ों का उदय हुआ नए जागीरदार और जमींदार भी अस्तित्व में आए दांगी इस क्षेत्र में कुछ स्थानों पर ठाकुर बनाकर स्थापित हुए जिसमें बिजरावन एक महत्वपूर्ण केंद्र था। लेकिन इस क्षेत्र में अहीरों (यादवों) ने अपना अस्तित्व मजबूती से बना लिया। जिस कारण झांसी से लेकर विदिशा तक का क्षेत्र अहीरवाढ़ा कहलाता था।